



ICFRE-INSTITUTE OF FOREST BIODIVERSITY, HYDERABAD

Report on Celebration of International Day of Biological Diversity at ICFRE-IFB, Hyderabad.

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के अवसर पर, भा.वा.अ.शि.प.-वन जैव विविधता संस्थान ने 22.05.2026 को "वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना" (Acting Locally for Global Impact) विषय के साथ IDB-2026 मनाया। इस कार्यशाला में तेलंगाना की तीसरी बटालियन के कुल 15 NCC कैडेट्स ने, ICFRE-IFB के 25 कर्मचारियों के साथ मिलकर भाग लिया।

On the occasion of International Day for Biological Diversity 2026, ICFRE-Institute of Forest Biodiversity celebrated IDB-2026 on 22.05.2026 with the theme "Acting Locally for Global Impact." A total of 15 NCC cadets from the Third Battalion, Telangana, along with 25 staff members of ICFRE-IFB, participated in the workshop.

डॉ. पंकज सिंह, वैज्ञानिक-D और विस्तार प्रभाग के प्रमुख ने कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्हें कार्यक्रम के उद्देश्यों तथा महत्व के बारे में जानकारी दी। उद्घाटन सत्र के दौरान, डॉ. दीपा एम. वैज्ञानिक-E और GCR, की ने जैव विविधता संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि किस प्रकार स्थानीय प्रयास वैश्विक पर्यावरणीय स्थिरता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

Dr. Pankaj Singh, Scientist-D & Head of the Extension Division, welcomed all participants to the workshop and briefed them on the objectives and significance of the programme. During the inaugural session, **Dr. Deepa M., Scientist-E & GCR**, emphasized the importance of biodiversity conservation and the sustainable use of natural resources. She highlighted how local actions can significantly contribute towards achieving global environmental sustainability goals.

डॉ. स्वप्नेंदु पटनायक, वैज्ञानिक-G और निदेशक, ICFRE-IFB, हैदराबाद ने कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों को उद्घाटन भाषण दिया। अपने संबोधन के दौरान, डॉ. पटनायक ने वर्तमान संदर्भ में 'अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026' मनाने के महत्व पर प्रकाश डाला, और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन को कम करने तथा उन्हें भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

Dr. Swapnendu Pattanaik, Scientist-G & Director, ICFRE-IFB, Hyderabad delivered the inaugural address to all the participants of the workshop. During his address, Dr. Pattanaik highlighted the significance of celebrating the International Day for Biological Diversity 2026 in the present context, emphasizing the urgent need to reduce over-exploitation of natural resources and conserve them for future generations.

उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम, "वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना" (Acting Locally for Global Impact), जैविक विविधता पर कन्वेंशन और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सतत विकास लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। डॉ. पटनायक ने प्रजातियों के संरक्षण और सुरक्षा, प्रदूषण कम करने और राष्ट्रीय व राज्य जैव विविधता कार्य योजना को लागू करने के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि प्राकृतिक पर्यावरण—जिसमें जंगल, झीलें, नदियाँ और वन्यजीव शामिल हैं—की रक्षा करना और उसे बेहतर बनाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

He stated that this year's theme, "**Acting Locally for Global Impact,**" is closely aligned with the goals of the Convention on Biological Diversity and the United Nations Development Programme Sustainable Development Goals. Dr. Pattanaik elaborated on the importance of species conservation and protection, pollution reduction, and implementation of the National State Biodiversity Action Plan. He further stressed that it is the responsibility of every individual to protect and improve the natural environment, including forests, lakes, rivers, and wildlife.

अपने भाषण के दौरान, उन्होंने बताया कि दुनिया भर के वैज्ञानिक पर्यावरण से जुड़े उभरते खतरों से निपटने और पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उन्होंने जैविक प्रजातियों की संरक्षण स्थिति और विलुप्त होने के जोखिमों की वैश्विक सूची को बनाए रखने में 'इंटरनेशनल यूनिन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (IUCN) की 'रेड लिस्ट' की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। अपने संबोधन के अंत में, डॉ. पटनायक ने कहा कि हमारे रोजमर्रा के जीवन में किए गए छोटे-छोटे सामूहिक प्रयास समाज में महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और जैव विविधता के संरक्षण में सार्थक योगदान दे सकते हैं।

During his speech, he mentioned that scientists across the globe are continuously working to address emerging environmental threats and conserve ecosystems. He also highlighted the role of the International Union for Conservation of Nature Red List in maintaining the global inventory of conservation status and extinction risks of biological species. Concluding his address, Dr. Pattanaik remarked that simple collective actions in our daily lives can bring about significant positive change in society and contribute meaningfully towards biodiversity conservation.

सुश्री आर्यमा मिश्रा, वैज्ञानिक-B, ने “वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना” (Acting Locally for Global Impact) विषय पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। अपनी प्रस्तुति के दौरान, उन्होंने ‘अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026’ के वर्तमान और पिछले विषयों के महत्व, उनकी पृष्ठभूमि और विषय चयन की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला।

Ms. Aryama Mishra, Scientist-B, delivered an informative lecture on the theme “**Acting Locally for Global Impact.**” During her presentation, she highlighted the significance of the current and past themes of the International Day for Biological Diversity 2026, their background, and the process of theme selection.

उन्होंने बताया कि विषय 'जैव विविधता पर कन्वेंशन' (CBD) के तहत तय किए जाते हैं। यह एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जो जैव विविधता के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग और आनुवंशिक संसाधनों से होने वाले लाभों के निष्पक्ष और समान बँटवारे पर केंद्रित है। उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि CBD देशों को राष्ट्रीय जैव विविधता रणनीतियाँ बनाने, पारिस्थितिकी तंत्र और लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा करने, और वैश्विक पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए संरक्षण कार्यों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

She explained that the themes are decided under the **Convention on Biological Diversity (CBD)**, an international agreement focused on biodiversity conservation, sustainable use of natural resources, and fair and equitable sharing of benefits from genetic resources. She further highlighted that the CBD encourages countries to develop national biodiversity strategies, protect ecosystems and endangered species, and involve local communities in conservation to promote global environmental sustainability.

उन्होंने स्थानीय से वैश्विक प्रभाव की कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की, और समझाया कि किस प्रकार स्थानीय स्तर पर की गई कार्रवाइयाँ प्रमुख पर्यावरणीय और सामाजिक क्षेत्रों में वैश्विक परिणाम उत्पन्न कर सकती हैं। इस व्याख्यान में इस बात को समझने पर भी जोर दिया गया कि किस तरह सामुदायिक स्तर की पहलें, प्रभाव के चार महत्वपूर्ण आयामों के माध्यम से, वैश्विक स्थिरता में अपना योगदान देती हैं।

She elaborated on the mechanics of local-to-global impact and explained how local actions can create global consequences across key environmental and social domains. The lecture also focused on understanding how community-level initiatives contribute towards global sustainability through four important dimensions of impact.

सुश्री मिश्रा ने कई प्रेरणादायक केस स्टडीज़ प्रस्तुत कीं, जिनमें कामिकात्सु के 'ज़ीरो-वेस्ट टाउन' मॉडल भी शामिल था; यह मॉडल समुदाय-संचालित एक सफल स्थिरता पहल का उदाहरण है। उन्होंने डेव हैकेन्स के नेतृत्व वाली 'प्रीशियस प्लास्टिक' पहल पर भी चर्चा की, और प्लास्टिक रीसाइक्लिंग तथा टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन के लिए युवाओं द्वारा संचालित एक 'ओपन-सोर्स टूलकिट' के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित किया।

Ms. Mishra presented several inspiring case studies, including the Zero-Waste Town model of Kamikatsu, which demonstrated a successful community-driven sustainability initiative. She also discussed the “Precious Plastic” initiative led by Dave Hakkens, highlighting its role as a youth-led open-source toolkit for plastic recycling and sustainable waste management.

इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि किस तरह रोज़मर्रा के व्यक्तिगत फैसले मिलकर बड़े पैमाने पर पर्यावरणीय बदलाव में योगदान देते हैं। इस सत्र में नागरिक भागीदारी की सीढ़ी, स्थानीय स्तर पर कार्रवाई लागू करने में आने वाली रणनीतिक चुनौतियाँ, प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र, और जैव विविधता संरक्षण तथा टिकाऊ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए कार्य-ढाँचे जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

Further, she emphasized how everyday individual decisions collectively contribute to broader environmental change. The session also covered important topics such as the Civic Engagement Ladder, strategic challenges in implementing local actions, effective response mechanisms, and action frameworks for promoting biodiversity conservation and sustainable living practices.

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2026 के समारोहों के एक हिस्से के रूप में, ICFRE-वन जैव विविधता संस्थान ने IDB-2026 के तहत कई प्रारंभिक गतिविधियों का आयोजन किया। जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए वृक्षारोपण अभियान, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विजेताओं और प्रतिभागियों को उनके उत्साहपूर्ण योगदान और भागीदारी की सराहना करते हुए पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

As part of the celebrations of International Day for Biological Diversity 2026, ICFRE-Institute of Forest Biodiversity organized a series of run-up activities under IDB-2026. Various programmes including a plantation drive, quiz competition, and drawing competition were conducted to create awareness on biodiversity conservation and environmental sustainability. Prizes and certificates were distributed to the winners and participants in recognition of their enthusiastic participation and contribution.

कार्यशाला का समापन सुश्री आर्यमा मिश्रा द्वारा प्रस्तुत औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल समन्वय ICFRE-वन जैव विविधता संस्थान के विस्तार प्रभाग के कर्मचारियों द्वारा किया गया।

The workshop concluded with a formal Vote of Thanks proposed by Ms. Aryama Mishra. The entire programme was successfully coordinated by the Extension Division staff of ICFRE-Institute of Forest Biodiversity.

Glimpses of the Program



Figure-1: Dr. Pankaj Singh, Scientist-D, addressing participants in the inaugural session of IDB-2026



Figure-2: Dr. Deepa M., Scientist-E & GCR, addressing participants during the inaugural session of IDB-2026



Figure-3: Dr. S. Pattanaik, Scientist-G & Director, addressing participants during the inaugural session of IDB-2026



Figure-4: Presentation by Ms. Aryama Mishra, Scientist-B, on the theme "Acting Locally for Global Impact."



Figure-5: Plantation drive inaugurated by Dr. S. Pattanaik, Scientist-G & Director



Figure-6: Plantation activity by NCC cadets



Figure-7: NCC cadets actively participating in the drawing competition



Figure-8: NCC cadets actively participating in the drawing competition



Figure-9: Children actively participating in the drawing competition during IDB-2026



Figure-10: Distribution of prizes to winners of the quiz and drawing competitions during IDB-2026



Figure-11: Distribution of prizes to winners of the quiz and drawing competitions during IDB-2026



Figure-12: Group photograph with participants and ICFRE-IFB staff